

VERZEICHNIS DER IN DEN URKUNDEN ZITIERTEN QUELLEN

Bibel

- | | |
|---------------------------------------|--------------------------------------|
| Gen. 27, 28: <i>Nr. 32, 37</i> | Malach. 1, 6: <i>Nr. 56</i> |
| Gen. 27, 39: <i>Nr. 32, 37</i> | Matth. 16, 19: <i>Nr. 40</i> |
| Exod. 20, 7: <i>Nr. 140</i> | Matth. 18, 18: <i>Nr. 40</i> |
| Deut. 23, 25: <i>Nr. 122</i> | Matth. 25, 3–4: <i>Nr. 36</i> |
| 3. Reg. 1, 50–51: <i>Nr. 40</i> | Matth. 25, 40: <i>Nr. 36</i> |
| 3. Reg. 2, 28: <i>Nr. 40</i> | Matth. 27, 6: <i>Nr. 103</i> |
| Ps. 7, 11: <i>Nr. 32, 37</i> | Luc. 10, 38–42: <i>Nr. 38</i> |
| Ps. 15, 10: <i>Nr. 86, †87, 93</i> | Luc. 16, 8: <i>Nr. 32, 37</i> |
| Ps. 17, 5: <i>Nr. 32, 37</i> | Luc. 16, 9: <i>Nr. 40</i> |
| Ps. 32, 6: <i>Nr. †1</i> | Ioh. 1, 12: <i>Nr. 40</i> |
| Ps. 51, 3: <i>Nr. 110</i> | Ioh. 17, 3: <i>Nr. 40</i> |
| Ps. 62, 12: <i>Nr. 32, 37</i> | Act. 2, 28: <i>Nr. 86, †87, 93</i> |
| Ps. 78, 9: <i>Nr. 3, 4, 5, 6</i> | Rom. 8, 12: <i>Nr. 40</i> |
| Ps. 85, 17: <i>Nr. 20, 24, 27, 47</i> | Rom. 8, 18: <i>Nr. 40</i> |
| Ps. 88, 23: <i>Nr. 148, 157</i> | Rom. 9, 8: <i>Nr. 40</i> |
| Ps. 118, 32: <i>Nr. 32, 37</i> | Rom. 14, 10: <i>Nr. 44, 67, 73</i> |
| Ps. 139, 6: <i>Nr. 32, 37</i> | 2. Cor. 3, 12: <i>Nr. 56</i> |
| Ps. 141, 4: <i>Nr. 32, 37</i> | 2. Cor. 5, 10: <i>Nr. 44, 67, 73</i> |
| Ps. 142, 10: <i>Nr. 7</i> | 2. Cor. 6, 1: <i>Nr. 140</i> |
| Ecclus. 24, 23: <i>Nr. 38</i> | 2. Cor. 9, 6: <i>Nr. 44, 67, 73</i> |
| Isai. 54, 2: <i>Nr. 32, 37</i> | Gal. 6, 8: <i>Nr. 44, 67, 73</i> |
| Isai. 61, 10: <i>Nr. 85</i> | Philipp. 1, 8: <i>Nr. 32, 37</i> |
| Ier. 1, 10: <i>Nr. 39</i> | Tit. 2, 14: <i>Nr. 32, 37</i> |
| Osea 14, 3: <i>Nr. 32, 37</i> | Iac. 2, 13: <i>Nr. 135</i> |

Concilium Lateranense III (1179)

const. 7: *Nr. 116*

Concilium Lateranense IV (1215)

const. 47: *Nr. 129*

const. 55: *Nr. 31, 32, 47, 64, 70, 136*

const. 62: *Nr. 44, 67, 73*

Glosse des Accursius zu Dig. 1, 1, 1, 2

Nr. 84

Horaz, Sermones/Satiren I, 3, 55–56

Nr. 112